किसान महापंचायत में पांचना बांध से नहरों में पानी छोड़ने की मांग उठी

किसानों ने कहा कि हाईकोर्ट के आदेश के बावजूद कमांड क्षेत्र की नहरों में पानी नहीं छोड़ा गया है

गंगापुर सिटी, (निसं)। वजीरपुर उपखंड क्षेत्र की खंडीप ग्राम पंचायत में शुक्रवार को एक विशाल किसान महापंचायत का आयोजन किया गया। यह महापंचायत पांचना बांध से कमांड क्षेत्र की नहरों में सिंचाई का पानी छोड़ने की मांग को लेकर बुलाई गई थी। इसमें हजारों की संख्या में किसान, महिलाएं, जनप्रतिनिधि और किसान नेता शामिल हुए। किसानों ने रोष व्यक्त करते हुए कहा कि राजस्थान उच्च न्यायालय के आदेश के बावजूद पांचना बांध से कमांड क्षेत्र की नहरों में सिंचाई के लिए पानी नहीं छोड़ा गया है। महापंचायत में सभी किसानों ने एक स्वर में सरकार से तत्काल नहरों में पानी छोड़ने की मांग की। इस महापंचायत को सफल बनाने के लिए पिछले कई दिनों से व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाया गया था। खंडीप, डिबस्या, छोटी उदेई, पीलोदा, महनंदपुर, खेड़ली, बगलाई, शिवाला, नयागांव और मोहनपुर सहित अनेक गांवों में किसानों से संपर्क कर उन्हें महापंचायत में शामिल होने का आह्वान किया गया था।

वजीरपुर उपखंड क्षेत्र की खंडीप ग्राम पंचायत में किसान महा पंचायत आयोजित हुई।

- 'पांचना बांध से कमांड क्षेत्र की हजारों बीघा भूमि सिंचित होती है, पानी की कमी के कारण फसलें चौपट हो रही हैं'

महापंचायत को संबोधित करते हुए विधायक रामकेश मीणा ने बताया कि पांचना बांध से कमांड क्षेत्र की हजारों बीघा भूमि सिंचित होती है। पानी की कमी के कारण फसलें चौपट हो रही हैं और पशुओं के लिए भी पानी की समस्या उत्पन्न हो गई है। उन्होंने कहा कि न्यायालय के आदेश के बावजूद बांध से पानी नहीं छोड़ा जाना किसानों के साथ अन्याय है। विधायक मीणा ने यह भी बताया कि पिछले लगभग 19 सालों से किसान कमांड क्षेत्र में नहरों में पानी छोड़ने की मांग कर रहे हैं, लेकिन उनकी सुनवाई नहीं हो रही है।

किसान नेता मदन राजौर, पिंटू बड़ौली, रहमत कुंसाय और देवीसिंह सहित अन्य वक्ताओं ने भी महापंचायत को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि न्यायालय के स्पष्ट आदेशों के बावजूद किसानों को सिंचाई का पानी न मिलना दुर्भाग्यपूर्ण है। वक्ताओं ने जोर देकर कहा कि पांचना परियोजना का निर्माण किसानों की सिंचाई आवश्यकताओं को पूरा करने के उद्देश्य से किया गया था। इसके बावजूद, पर्याप्त जल उपलब्ध होने पर भी नहरों में पानी नहीं छोड़ा जा रहा है। कटकड़ सरपंच देवीसिंह ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि शाम तक सरकार का कोई प्रतिनिधि वार्ता के लिए नहीं पहुंचा तो आंदोलन को और उग्र किया जाएगा। वक्ताओं ने कहा कि यदि शीघ्र ही कमांड क्षेत्र की नहरों में पानी नहीं छोड़ा गया तो आंदोलन को व्यापक रूप दिया जाएगा। महापंचायत में बड़ी संख्या में महिलाओं की भी भागीदारी रही। उन्होंने भी किसानों की मांगों का समर्थन करते हुए सरकार से तत्काल निर्णय लेने की मांग की। किसान नेताओं ने आगामी आंदोलन की रणनीति पर भी विचार-विमर्श किया। किसानों की मुख्य मांग है कि पांचना बांध से कमांड क्षेत्र की नहरों में तत्काल सिंचाई का पानी छोड़ा जाए, ताकि खरीफ फसलों की बुवाई समय पर हो सके। महापंचायत में सरपंच सूफी पावटा गद्दी, सरपंच तेजसिंह श्यारौली सहित क्षेत्र के अनेक जनप्रतिनिधि और हजारों किसान मौजूद रहे।

मनोहरपुर में भाजपा नेता की हत्या का आरोपी गिरफ्तार

मनोहरपुर थाना पुलिस ने रामावतार असवाल उर्फ पप्पू हत्याकांड के आरोपी को गिरफ्तार किया।

पावटा, (निसं)। मनोहरपुर थाना पुलिस ने बहुचर्चित रामावतार असवाल उर्फ पप्पू हत्याकांड का महज तीन दिन में खुलासा करते हुए हत्या के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने मामले में सोहिल खान नामक युवक को गिरफ्तार किया है, जिसने पूछताछ में हत्या करना स्वीकार कर लिया है। जिला पुलिस अधीक्षक जयपुर ग्रामीण हनुमान प्रसाद ने बताया कि मनोहरपुर, शाहपुरा, अमरसर थाना पुलिस तथा डीएसटी टीम की संयुक्त कार्रवाई में इस ब्लाइंड मर्डर की गुत्थी सुलझाई गई।

- कूलर खरीदने के विवाद में सोहिल खान नामक युवक ने रामावतार असवाल की हत्या कर दी थी

जानकारी के अनुसार गत दो जून को गुलाब असवाल ने अपने भाई रामावतार असवाल उर्फ पप्पू की हत्या का मामला दर्ज कराया था। रामावतार श्याम मार्केट स्थित अपनी कबाड़ की दुकान पर थे। देर शाम परिजनों द्वारा संपर्क नहीं होने पर भतीजे को दुकान पर भेजा गया, जहां रामावतार मृत अवस्था में पड़े मिले। अज्ञात बदमाशों ने धारदार हथियार से गर्दन और सिर पर वार कर उनकी हत्या कर दी थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए जिला पुलिस अधीक्षक ने स्वयं मनोहरपुर थाने पर कैंप किया और विशेष टीमों का गठन किया। पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों और खुफिया जानकारी के आधार पर करीब 150 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। लगातार जांच और कड़ी से कड़ी जोड़ते हुए पुलिस आरोपी तक पहुंचने में सफल रही। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी सोहिल खान 1 जून की शाम कबूतरों के लिए पुराना कूलर खरीदने रामावतार की दुकान पर आया था। इसी दौरान दोनों के बीच खरीद-फरोख्त को लेकर विवाद हो गया। विवाद बढ़ने पर आरोपी ने पहले लोहे की एंगल से रामावतार के सिर पर वार किया, जिससे वह नीचे गिर गए। इसके बाद आरोपी ने चाकू से गर्दन और हाथ पर कई वार कर उनकी हत्या कर दी और मौके से फरार हो गया। पुलिस ने आरोपी सोहिल (20) पुत्र कुतुबुद्दीन लुहार, निवासी लुहार मंडी, मनोहरपुर को गिरफ्तार कर लिया है। हत्या में प्रयुक्त हथियार की बरामदगी के प्रयास जारी हैं।

गुमशुदा महिला को खोजकर पति से मिलवाया

मण्ड्रेला, (निसं)। झुंझुनूं जिले की मण्ड्रेला थाना पुलिस ने मानवता और कर्तव्यनिष्ठा का परिचय देते हुए तीन वर्ष से गुमशुदा चल रही महिला को दस्तयाब कर उसके पति से मिलवाया है। पुलिस की इस सफलता से जहां एक परिवार की वर्षों पुरानी चिंता समाप्त हुई, वहीं पुलिस के प्रति आमजन का विश्वास भी और मजबूत हुआ है। मण्ड्रेला थाना प्रभारी कैलाशचन्द के नेतृत्व में गठित विशेष टीम ने अथक प्रयास, सूचनाओं के संकलन और लगातार की गई तलाश के आधार पर तीन साल से लापता महिला का पता लगाकर उसे सुरक्षित दस्तयाब किया। आवश्यक कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद महिला को उसके पति के सुपुर्द कर दिया गया।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि गुमशुदा व्यक्तियों की तलाश और उन्हें उनके परिजनों से मिलाना पुलिस की प्राथमिक जिम्मेदारियों में शामिल है।

जैसलमेर दुर्ग में गिरी हुई दीवार के पास की दीवार भी क्षतिग्रस्त होने लगी

बरसात का मौसम शुरु होने के कारण स्थानीय लोगों और व्यापारियों में डर का माहौल

जैसलमेर दुर्ग में पूर्व में गिरी दुर्ग की दीवार के पास स्थित दूसरी दीवार भी गिरने के कगार पर है।

जैसलमेर, (निसं)। दुर्ग में एक बार फिर सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। पूर्व में गिरी दुर्ग की दीवार के पास स्थित दूसरी दीवार भी अब क्षतिग्रस्त होने लगी है। बरसात का मौसम सिर पर होने के कारण स्थानीय लोगों और व्यापारियों में डर का माहौल बना हुआ है।

जानकारी के अनुसार, दीवार में कई जगह दरारें और झुकाव दिखाई दे रहा है, जिससे किसी बड़े हादसे की आशंका जताई जा रही है। वरिष्ठ नागरिक खेमचंद का कहना है कि यदि समय रहते मरम्मत और सुरक्षा कार्य नहीं किए गए तो बारिश के दौरान दीवार का हिस्सा फिर से ढह सकता है। गौरतलब है कि पूर्व में भी दुर्ग क्षेत्र में दीवार गिरने की घटना हो चुकी है, जिसमें नुकसान हुआ था। अब उसी स्थान के आसपास की दीवार कमजोर होने से लोगों की चिंता बढ़ गई है। स्थानीय निवासियों और सामाजिक संगठनों ने प्रशासन एवं पुरातत्व विभाग से तत्काल स्थायी मरम्मत कार्य शुरू करने की मांग की है। लोगों का कहना है कि विश्व प्रसिद्ध धरोहर की सुरक्षा के लिए केवल अस्थायी उपाय पर्याप्त नहीं हैं।

- स्थानीय निवासियों और सामाजिक संगठनों ने प्रशासन एवं पुरातत्व विभाग से तत्काल स्थायी मरम्मत कार्य शुरू करने की मांग की

वहीं प्रशासनिक अधिकारियों का कहना है कि मामले की जानकारी ली जा रही है और तकनीकी टीम से निरीक्षण करवाकर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। बरसात से पहले सुरक्षा उपायों को प्राथमिकता देने की बात भी कही गई।

पति के साथ मिलकर भाई से ठगी

जोधपुर, (कासं)। बासनी औद्योगिक क्षेत्र कृष्ण मंदिर के पास रहने वाले एक व्यक्ति को उसकी बहन-बहनोई ने ठगी का शिकार बना डाला। पीड़ित की पत्नी के इलाज के नाम पर 26 लाख केश और 26 लाख का सोना ऐंठ कर खुर्दबुर्द कर डाला। पीड़ित भाई ने अपनी बहन-बहनोई को नामजद कर बासनी थाने में धोखाधड़ी की रिपोर्ट दी है। बासनी पुलिस ने बताया कि कृष्णमंदिर बासनी निवासी घनश्याम कुमार प्रजापत की तरफ से मामला दर्ज करवाया गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी है।

दूसरी तरफ आत्महत्या के मामले बढ़े

कोटा कोचिंग इंडस्ट्री में एक तरफ जश्न तो

कोटा, (निसं)। हाल ही में घोषित जेईई एडवांस्ड में कोटा की कोचिंग इंडस्ट्री ने फर्स्ट रैंक और सेकंड रैंक के साथ बेहतरीन सिलेक्शन और परिणाम दिए हैं। इन परिणामों के बाद कोटा शहर की कोचिंग इंडस्ट्री में जश्न का माहौल है। कोचिंग इंडस्ट्री और शहरवासियों को उम्मीद है कि इतना बेहतरीन रिजल्ट देने के बाद देशभर के अभिभावकों का एक बार फिर मेडिकल और इंजीनियरिंग की उच्च प्रवेश परीक्षाओं की तैयारी के लिए कोटा के प्रति रूझान बढ़ेगा, लेकिन ऐसा होता नजर नहीं आ रहा है। भले ही इस बात का माहौल बनाया जा रहा हो की कोटा के प्रति देशभर के स्टूडेंट्स और अभिभावकों का विश्वास वापस लौट रहा है और वे अपने नोनिहालों का भविष्य बनाने और सपने पूरे करने के लिए कोटा का रुख कर रहे हैं, लेकिन कोचिंग इंडस्ट्री की हलचल पर नजर रखने वाले लोगों का कहना है कि यह केवल एक माहौल बनाने की प्रक्रिया है। हकीकत में अभी भी कोटा के प्रति देशभर के अभिभावकों और स्टूडेंट का विश्वास वापस नहीं लौट पाया है।

- एक जानकारी के अनुसार 2023 में 26, 2024 में 17, 2025 में 14 कोचिंग स्टूडेंट्स ने आत्महत्या की थी, 2026 में जून माह तक कोटा में 6 कोचिंग स्टूडेंट आत्महत्या कर चुके हैं
- आत्महत्या की घटना के कारण कोटा कोचिंग इंडस्ट्री डाउन फॉल पर है और यहां के लोग चिंतित हैं

कोटा के प्रति जैसे ही इन लोगों का विश्वास लौटने लगता है वैसे ही कोटा में ऐसा कोई घटनाक्रम घटित हो जाता है, जिससे अभिभावक और स्टूडेंट अपने पैर पीछे खींच लेते हैं। हाल ही के दिनों में जब कोटा की कोचिंग इंडस्ट्री धीरे-धीरे ग्रोथ कर रही थी तभी खाने का ढाबा धराशाई होने की घटना सामने आ गई। इसमें एक कोचिंग स्टूडेंट की मौत हो गई जो कोटा की आधारभूत सुविधाओं पर सवालिया निशान लगा गई। बुधवार को एक एलन कोचिंग के स्टूडेंट ने आत्महत्या कर ली। एक जानकारी के अनुसार कोटा में 2023 में 26, 2024 में 17, 2025 में 14 कोचिंग स्टूडेंट्स ने आत्महत्या की थी। 2026 में जून माह तक कोटा में 6 कोचिंग स्टूडेंट आत्महत्या कर चुके हैं।

पूर्व से ही कोटा आत्महत्याओं के मामले में बदनाम चल रहा है, ऐसी स्थिति में यह आत्महत्या का मामला अभिभावकों को एक बार फिर कोटा की तरफ रुख करने से पहले सोचने के लिए मजबूर कर सकता है। लोगों का मानना है कि कोटा के कोचिंग संस्थान अपने सफल रिजल्ट्स को स्पष्ट रूप से हाईलाईट करके स्टूडेंट और अभिभावकों को आकर्षित करने की भरपूर कोशिश करते हैं। अभिभावकों के सामने हर कोचिंग संस्थान का परिणाम होता है और इसी आधार पर वह कोटा आ कर अपने नोनीहाल के लिए कोचिंग संस्थान का चयन करते हैं। ऐसी स्थिति में मीडिया को यह जिम्मेदारी निभानी चाहिए कि वह यह भी स्पष्ट करें कि आत्महत्या करने वाला कोचिंग स्टूडेंट कौन से संस्थान या कोचिंग का स्टूडेंट था। अगर अभिभावकों को इस बात की जानकारी होगी तो वह उस कोचिंग संस्थान के प्रति एडमिशन करवाने से पूर्व अपना एक स्पष्ट नजरिया रख सकते हैं। लेकिन विडंबना यह है कि कोटा में जो कोचिंग स्टूडेंट आत्महत्या करता है वह कौन से कोचिंग इंस्टिट्यूट में अध्यनरत था इसको छुपाने के प्रयास किए जाते हैं।

अगर यह स्पष्ट हो की कोटा में आत्महत्या करने वाले स्टूडेंट कौनसे कोचिंग संस्थान के हैं तो ऐसी स्थिति में अभिभावक कोटा की अपेक्षा उस संस्थान से अपना मुंह मोड सकते हैं और कोटा के अन्य कोचिंग संस्थानों पर अपना विश्वास व्यक्त कर सकते हैं। कोटा में कई प्रतिष्ठित संस्थान है जो स्टूडेंट पर पूरी मेहनत करते हैं। कोटा में अगर कोचिंग स्टूडेंट का फुटफॉल रहेगा तो अन्य कोचिंग संस्थान बेहतर ग्रोथ कर पाएंगे और कोटा एक बार फिर अपने पुराने समय को पा सकेगा। कोटा में नहीं, कोचिंग संस्थान के सिस्टम में गड़बड़ है। जिसकी कीमत पूरे कोटा शहर और कोटा की कोचिंग इंडस्ट्री को चुकानी पड़ रही है।

प्रसिद्ध मनोचिकित्सक डॉक्टर एम.एल. अग्रवाल कहते हैं कि 14 से 16 साल तक की लड़कियों में तथा 16 से 25 साल तक के लड़कों में आत्महत्या के सिम्टम्स नेचरली वर्क करने लगते हैं। अगर आत्महत्या की आंकड़ों को देखा जाए तो इस आयु वर्ग के बच्चों में जो मौत का कारण है वह सबसे ज्यादा आत्महत्या ही है। ऐसी स्थिति में जब कोटा में बच्चे एडमिशन के लिए आए तो उनकी 20 से 25 मिनट तक स्क्रीनिंग की जानी चाहिए। साथ ही उनकी मेडिकल हिस्ट्री का डाटा रखना चाहिए। अभिभावकों को बच्चों की रुचि और अभिरुचि के हिसाब से ही उन्हें सब्जेक्ट दिलाने चाहिए। कोचिंग संस्थानों को तनाव में चल रहे बच्चों को वापस भेजने की जगह स्पेशल अटेंशन देना चाहिए। इसके लिए सरकार एवं जिला प्रशासन के साथ-साथ सभी कोचिंग इंस्टिट्यूट को भी अपनी जिम्मेदारी का निर्वाह पूरी ईमानदारी से करना होगा।

मजदूर, किसान और वंचित वर्गों के हकों के लिये संघर्ष करता रहूंगा : प्रो. रमेश बैरवा

गंगापुर सिटी। राजकीय महाविद्यालय गंगापुर सिटी में राजनीति विज्ञान के प्रोफेसर एवं नोडल अधिकारी राजकीय कन्या महाविद्यालय वजीरपुर डॉ. रमेश बैरवा की सेवानिवृत्ति के अवसर पर परिवारजन की ओर से इनके गांव जीवली में सम्मान समारोह का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में महाविद्यालयों के प्रोफेसर, राजकीय महाविद्यालय गंगापुर सिटी के स्टाफ, वजीरपुर राजकीय कन्या महाविद्यालय की छात्राएं, शिक्षक, वकील, जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ता, रिश्तेदार, परिवारजन एवं ग्रामवासियों ने प्रो. रमेश बैरवा को माल्यार्पण कर, साफा पहनाकर, शॉल, गिफ्ट एवं महापुरुषों की तस्वीर भेंटकर स्वस्थ व सुखद भावी जीवन की हार्दिक शुभकामनाएं एवं साथ ही जन्मदिवस पर हार्दिक बधाई दी।

सेवानिवृत्ति के अवसर आयोजित कार्यक्रम में डॉ. रमेश बैरवा को शॉल, गिफ्ट एवं तस्वीर भेंटकर शुभकामनाएं दी।

अलवर से भी बड़ी संख्या में पधारे कॉलेज एवं स्कूल शिक्षकों, दलित शोषण मुक्ति मंच से जुड़े कार्यकर्ताओं एवं शुभचिंतकों ने शुभकामनाएं दी। इससे पूर्व राजकीय महाविद्यालय गंगापुर सिटी प्राचार्य प्रो. सुमित्रा मीना के नेतृत्व में संपूर्ण स्टाफ एवं राजकीय कन्या महाविद्यालय वजीरपुर के स्टाफ व छात्राओं ने प्रो. बैरवा को भावभीनी विदाई देकर सुखद, स्वस्थ्य भावी जीवन की कामना की। धन्यवाद उद्बोधन में प्रो. बैरवा ने कहा कि मजदूर किसान का बेटा हूं। मुश्किल हालातों में शिक्षा के लिए किए संघर्ष में अनेक लोगों ने संबल, सहयोग प्रदान किया है जिनके प्रति आभार प्रकट करता हूं। छात्र जीवन से ही अन्याय, अत्याचार के खिलाफ आवाज उठाई है। सेवानिवृत्ति के उपरांत अब सभी के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, स्थायी रोजगार तथा मजदूर, किसान, दलित-वंचित तबकों के हक और सम्मान के लिए जारी संघर्ष को मजबूती देने का संकल्प लेता हूं।

सेवानिवृत्ति समारोह के अवसर पर आयोजित विशाल सभा में अतिथियों का स्वागत भारत की कम्युनिस्ट पार्टी मार्क्सवादी की अलवर जिला सचिव, अखिल भारतीय जनवादी महिला समिति की प्रांत कोषाध्यक्ष एवं किशोर न्याय बोर्ड की पूर्व सदस्य प्रो. रमेश बैरवा की पत्नी रईसा ने किया। सभा का सफल संचालन प्रो. बैरवा के फुफेरे भ्राता गोपाल सत्यप्रेमी ने किया। अध्यक्षता गिल्याड़ा बैरवा, जगन्या बैरवा, प्रभुलाल बैरवा, मुरारी लाल बैरवा, हरिया, भरतलाल, केशव लाल, ब्रजमोहन, रामखिलाड़ी सहित गांव के पंच पटेलों ने की तथा प्रो. रमेश बैरवा को साफा पहनाकर सम्मानित किया। सेवानिवृत्ति समारोह सभा को संबोधित करते हुए जोधपुर से पधारे वंचित वर्गों की बुलंद आवाज दलित शोषण मुक्ति मंच डीएसएमएम के प्रदेश संयोजक, छात्र जीवन में स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया एसएफआई के नेता रहे, सीनियर एडवोकेट किशन मेघवाल, डॉ. घासीराम चौधरी, आयकर आयुक्त भागचंद मीणा, प्रो.रमेश बैरवा के प्रेरक शिक्षक पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी ताराचंद जाटव, डॉ. लक्ष्मी चंद मीणा, अशोक लोदवाल, अलवर डीएसएमएम के जिला संयोजक एडवोकेट बीएल वर्मा, प्रो महेश गोठवाल, प्रो. राजेश वर्मा, प्राचार्य पुरुषोत्तम लाल बैरवा, कवि डॉ. विजय लाल बैरवा, प्रो. सुमेरसिंह बैरवा, प्रहलाद राम बुनकर लाइब्रेरियन, रामकिशोर फौजी, डॉ. संजय बैरवा ने अपने वक्ताओं में कहा कि प्रो.रमेश बैरवा ने अपनी करीब 31 वर्ष की राजकीय सेवा भी छात्र जीवन के प्रेरक नारे "शिक्षा और संघर्ष" की जेएनयू की क्रांतिकारी परंपरा के अंदाज में ही बड़े गौरव एवं संघर्षों से पूर्ण की है। प्रो.रमेश बैरवा एक बेहतरीन शिक्षक रहे हैं। एक निडर, अपने साथियों व शुभचिंतकों का हर मुश्किल में साथ देने वाले रहे हैं। शिक्षकों को गैर शैक्षिणक कार्यों से मुक्त कर रेग्युलर क्लास टीचिंग के प्रबल पक्षधर रहे हैं। अखबारों में विचारोत्तेजक संपादकीय लेख लिखते रहे हैं। शिक्षक,विद्यार्थियों और वंचित वर्गों के संविधान प्रदत्त गरिमामय जीवन के हकों की बुलंद आवाज रहे हैं। राजसेस महाविद्यालयों में समुचित संसाधन मुहैया करवाने की मांग उठाते रहे हैं। नुकसान की परवाह किए बिने कॉलेज शिक्षा में भेदभाव, भ्रष्टाचार, वर्चस्व के खिलाफ निडर रहकर लगातार बोलने वाले प्रो. बैरवा को वैचारिक दुर्भावनावश कई बार निलंबित कर, प्राचार्य पद पर नियमविरुद्ध पदोन्नित रोककर भारी आर्थिक, मानसिक व सामाजिक हानि पहुंचाई है। सेवानिवृत्ति पर इनके पेंशन परिलाभ भी अटक गये हैं। कार्यक्रम में सवाईमाधोपुर के पूर्व प्रधान सूरजमल बैरवा, पूर्व प्राचार्य डॉ. बाबूलाल बैरवा, एडवोकेट श्यामसुंदर जाटव, डीयू प्रो. प्रहलाद कुमार बैरवा, शिक्षक नेता सुग्रीव बैरवा, एडवोकेट संतोष जाटव, एडवोकेट संजय मीना एवं सत्यप्रकाश बैरवा सहित शुभचिंतक शामिल हुए।

- प्रो. रमेश बैरवा की सेवानिवृत्ति पर ग्राम जीवली में कार्यक्रम का आयोजन आयोजन

भिवाड़ी फैक्टरी आगजनी : मालिक के भाई की उपचार के दौरान मौत

अलवर, (निसं)। भिवाड़ी के यूआईटी औद्योगिक क्षेत्र में दो फैक्ट्रियों में आग लगने के मामले में रामको मेटल फैक्टरी के मालिक के भाई की इलाज के दौरान मौत हो गई। हादसे में फैक्टरी मालिक, उसके भाई समेत पांच लोग झुलस गए थे।

जानकारी के अनुसार गुरुवार दोपहर दो बजे रामको मेटल कंपनी के ऊपर रखे ऑयल टैंकर में ब्लास्ट हुआ और आग लग गई थी। टैंकर से निकला ऑयल ब्लास्ट के साथ अल्शोक एलएलपी कंपनी में फैल गया। जिससे इस कंपनी में भी आग लग गई। इस दौरान कर्मचारियों को पीछे के दरवाजों और अन्य सुरक्षित रास्तों से बाहर निकाला गया, जबकि कुछ ने दीवार फांदकर अपनी जान बचाई। इसी दौरान रामको कंपनी मालिक देवेंद्र यादव (35) और उनके छोटे भाई हरपाल यादव (31), कर्मचारी दिनेश और छत्तर सिंह के अलावा एक अन्य व्यक्ति झुलस गया था। गंभीर रूप से घायल होने पर देवेंद्र यादव, हरपाल यादव और दिनेश को दिल्ली रेफर किया गया, जहां देर रात हरपाल यादव का निधन हो गया।

मृतक का फाइल फोटो।

वहीं छत्तर सिंह को भिवाड़ी के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

यह फैक्टरी पहले फूलबाग चौक के पास संचालित थी। अगस्त 2023 में ही इसे यूआईटी औद्योगिक क्षेत्र में ट्रांसफर किया गया था। देवेंद्र यादव भिवाड़ी यूआईटी सेक्टर 9 के पार्षद भी हैं। हरपाल की मौत की खबर मिलते ही उनके घर पर लोग जमा हो गए और परिवार को सांत्वना दी। हरपाल चार्टर्ड अकाउंटेंट था और भिवाड़ी के भगत सिंह कॉलोनी में एक कोचिंग सेंटर चलाते थे। हरपाल कंपनी के अकाउंट्स का काम भी देखता था। शुक्रवार को हरपाल अपने भाई देवेंद्र यादव के पास कंपनी के काम से ही मिलने आया था। दोनों भाई ऑफिस में बैठकर बात कर रहे थे, तभी यह हादसा हो गया। हरपाल की शादी 2018 में हुई थी। हरपाल के दो छोटी बेटियां है।

6.10 लाख की सायबर ठगी का आरोपी यूपी से गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। सायबर पुलिस टीम ने सायबर ठगी के मामले में फरार चल रहे स्थाई वारंटी अंकुर तिवारी को कुशीनगर उत्तरप्रदेश से गिरफ्तार किया।

शहर एसपी ने बताया कि 23 जून 2025 को परिवादी नवल किशोर गुप्ता ने रिपोर्ट दर्ज करवाई कि मेरा परिचित बनकर उससे 6,10,000 की सायबर ठगी की है। फरियादी की रिपोर्ट पर मामला दर्ज किया गया। मामले में अनुसंधान के लिये टीम का गठन किया गया, गठित टीम ने मामले में अनुसंधान करते हुए फरियादी के साथ हुई 6,10,000 रुपये की ठगी मे से बैंको से पत्राचार कर 3,59,000 रुपये की राशि होल्ड करवायी गई। शहर एसपी ने बताया कि प्रकरण में पूर्व में गिरफ्तार आरोपी ऋषि शर्मा उर्फ गोलू ने पूछताछ में बताया कि उसने सायबर ठगी की राशि को जरिए कैश डिपॉजिट मशीन अलग-अलग खातों में जमा कराया है, जिस पर बैंक से खातों की डिटेल प्राप्त कर खाताधारकों की तलाश की गई एवं नोटिस जारी किये गये।